जिलाध्यक्ष चयन पर आप में बगावत

वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी, नए चेहरों को मिली कमान,उपाध्यक्ष चरणजीत कौर और अनिल शाह ने दिया इस्तीफा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अप्रैल। जिले में आम आदमी पार्टी के भीतर जिला अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर असंतोष अब खुलकर सामने आने लगा है। हाल ही में पार्टी के प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व द्वारा किए गए संगठनात्मक फेरबदल के बाद स्थानीय स्तर पर विरोध तेज हो गया है। शहर इकाई में लालबाबू कुशवाहा और ग्रामीण क्षेत्र में रतीभान प्रसाद को जिला अध्यक्ष बनाए जाने के फैसले ने पार्टी के पुराने और जमीनी कार्यकर्ताओं में गहरी नाराजगी पैदा कर दी है।

इस फैसले के विरोध में जिला उपाध्यक्ष चरणजीत कौर और वरिष्ठ कार्यकर्ता अनिल शाह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। दोनों नेताओं के इस्तीफे से संगठन को बड़ा झटका लगा है और अंदरूनी असंतोष अब सार्वजनिक रूप लेता जा रहा है। पार्टी के भीतर यह चर्चा आम है कि वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वाले समर्पित कार्यकर्ताओं को नजरअंदाज कर हाल ही में जुड़े लोगों को पद देकर नवाजा जा रहा है। नाराज कार्यकर्ताओं का आरोप है कि संगठन में अब निष्ठा और समर्पण की कद्र नहीं रह गई है। चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और व्यक्तिगत समीकरणों के चलते फैसले लिए जा रहे हैं, जिससे कार्यकर्ताओं का मनोबल टूट रहा है। कई कार्यकर्ता खुले तौर पर कह रहे हैं कि ऐसे माहौल में पार्टी में बने रहना मुश्किल होता जा रहा है। स्थिति को और गंभीर बनाती है नेतृत्व की चुप्पी। अब तक न तो किसी वरिष्ठ नेता ने इस विवाद पर स्पष्ट बयान दिया है और न ही नाराज कार्यकर्ताओं को मनाने की कोई कोशिश नजर आ रही है। इससे यह संकेत मिल रहा है कि संगठन के भीतर संवाद और समन्वय की भारी कमी है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि समय रहते पार्टी ने स्थिति को नहीं संभाला, तो सिंगरौली में आम आदमी पार्टी की साख को बड़ा नुकसान हो सकता है। फिलहाल पार्टी के भीतर उठती असंतोष की आवाजें आने वाले समय में बड़े राजनीतिक संकट का रूप ले सकती हैं।

कार्यालय विहीन आप, संगठन में बढ़ी खींचतान

आम आदमी पार्टी जिले में संगठनात्मक कमजोरी और आपसी खींचतान से जूझती नजर आ रही है। स्थिति यह है कि पार्टी के पास अब तक स्थायी कार्यालय भी नहीं है, जिससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ता जा रहा है। पार्टी से जुड़े सूत्रों के अनुसार, शुरुआत के दौर में संगठन की नींव रखने वाले अमित द्विवेदी सहित कई सक्रिय नेताओं को धीर-धीरे दरकिनार कर दिया गया, जबकि जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं को भी हाशिये पर धकेल दिया गया। बताया जाता है कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में लगभग यही हालात बने हुए हैं, जहां संगठन की पकड़ कमजोर होती दिख रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि उनकी अनदेखी के कारण पार्टी का जनाधार प्रभावित हो रहा है। सूत्रों के मुताबिक रानी अग्रवाल के विधानसभा चुनाव लड़ने के समय से ही संगठन में असंतुलन की स्थिति और गहराती गई। इसके बाद से आपसी समन्वय की कमी साफ तौर पर दिखाई देने लगी है। स्थानीय स्तर पर मजबूत नेतृत्व और समन्वय के अभाव में पार्टी को आगामी समय में और चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

पोड़ी-बड़कुड़ व बगदरा सड़क मार्ग जर्जर, आवागमन हुआ दूभर

पीएम योजना की सड़क खस्ताहाल, वर्षोंसे मरम्मत न होने पर ग्रामीणों में आक्रोश

नवभारत न्यूज

चितरंगी 20 अप्रैल। जिले के चितरंगी विकासखंड अंतर्गत पोड़ी से बड़कुड़ होते हुए बगदरा तक जाने वाला सड़क मार्ग इन दिनों पूरी तरह जर्जर हो चुका है। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत वर्षों पहले निर्मित यह सड़क अब बदहाल स्थिति में पहुंच गई है।

हालात ऐसे हैं कि बीते दो से ढाई वर्षों से इस मार्ग पर आवागमन करना लोगों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं रह गया है। सड़क पर जगह-जगह गहरे खाईनुमा गड्ढे बन चुके हैं, जिससे वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कई बार दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल भी हो चुके हैं। डामर पूरी तरह उखड़ चुका है और सड़क के अधिकांश हिस्सों में केवल गिट्टी ही दिखाई दे रही है। इससे धूल उड़ने की समस्या भी बढ़ गई है, जिससे राहगीरों और आसपास के ग्रामीणों को परेशानी उठानी पड़ रही है। बरसात के मौसम में स्थिति और भी विकराल हो जाती है। गड्ढों में पानी भर जाने के कारण सड़क और गड्ढों में अंतर करना मुश्किल हो जाता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। स्कूली बच्चे, मरीज और रोजाना आने-जाने वाले लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार संबंधित विभाग और जनप्रतिनिधियों को सड़क की मरम्मत के लिए अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

एक नजर में

वीरेंद्र गोयल को मिली नई जिम्मेदारी

सिंगरौली। पूर्व जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल को पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के तहत सीधी जिले का जिला प्रभारी नियुक्त किए जाने पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह जिम्मेदारी उनके उत्कृष्ट नेतृत्व, संगठनात्मक क्षमता और पार्टी के प्रति समर्पण का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि गोयल के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण महाभियान नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की दिशा में अहम कदम बताया है।

झरिया नाला में किया गया बोरी बंधान

सिंगरौली। म.प्र. जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक प्रवीण पाठक के निर्देशानुसार राजा बहुउद्देशीय विकास समिति निगरी कार्यक्रम समन्वयक शिवप्रसाद साहू की उपस्थित में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत झरिया नाला में बोरी बंधान कार्यक्रम आयोजित किया किया गया। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडल अध्यक्ष रजनिया सुरेंद्र नाथ सिंह, सरपंच प्रतिनिधि अनंद सिंह की उपस्थित रहा। मुख्य अतिथि द्वारा जल गंगा संवर्धन के तहत जल स्रोत समागम महत्व उद्देश्य के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

फुलकेस गांव में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

वृंदावन से आए कथावाचक ने सुनाई परीक्षित की महिमा

नवभारत न्यूज

चितरंगी 20 अप्रैल। जिले के चितरंगी ब्लॉक अंतर्गत ग्राम फुलकेस में आज सोमवार से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ हुआ। आयोजन स्थल पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल देखने को मिला। कथा के प्रथम दिवस वृंदावन से आये कथावाचक श्री कृष्ण शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद् भागवत महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन किया।

इस पावन अवसर पर मुख्य यजमान के रूप में सुखेंद्र द्विवेदी एवं माया द्विवेदी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर कथा का रसपान किया। आयोजन में भाजपा नेता गुरु शीतलाधर द्विवेदी के अनुज भी मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित रहे। कथा प्रारंभ होने से पहले आरती, कुल देवता एवं कुलगुरु का विधिपूर्वक पूजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। कथावाचक ने पहले दिन महाराज परीक्षित की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से मोक्ष की प्राप्ति की। उनके जीवन से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और सदाचार का संदेश मिलता है। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आयोजकों ने बताया कि कथा का आयोजन आगामी दिनों तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा।

टीपी की आड़ में रेत चोरी का खेल, देवसर में धड़ल्ले से अवैध परिवहन

एक पर्ची, चार चक्कर, सिस्टम को चकमा देकर हो रही लूट, मजौना-कारी से सीधी-बहरी तक अवैध सप्लाई, पुलिस पर संरक्षण के आरोप

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अप्रैल। जिले के देवसर क्षेत्र में टीपी की आड़ में बालू चोरी का खेल रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मजौना और कारी खदानों से बड़े पैमाने पर अवैध बालू परिवहन किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, एक ही टीपी पर कई-कई चक्कर लगाकर बालू बाहर खपाया जा रहा है, जिससे शासन को भारी राजस्व नुकसान हो रहा है और नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बताया जा रहा है कि टीपी की वैधता 12 से 24 घंटे तक निर्धारित होती है, जिसका फायदा उठाकर एक ही पर्ची पर चार-चार चक्कर लगाए जा रहे हैं। इस तरह अवैध परिवहन को वैधता का चोला पहनाकर कारोबारियों द्वारा सिस्टम को चकमा दिया जा रहा है। कुदवार मार्ग के जरिए सीधी और बहरी क्षेत्रों में बालू की सप्लाई धड़ल्ले से जारी है। गौरतलब है कि कलेक्टर द्वारा अवैध खनन, परिवहन और भंडारण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का असर नजर नहीं आ रहा। एसडीएम और तहसीलदार जैसे जिम्मेदार अधिकारी भी इस मामले में निष्क्रिय दिखाई दे रहे हैं। ठेकेदारों और रेत कारोबारियों के सामने प्रशासन की यह बेबसी कई गंभीर सवाल खड़े करती हैं। यदि समय रहते ठोस कार्रवाई नहीं हुई, तो यह अवैध कारोबार और भी बेलगाम हो सकता है।

पुलिस का खुला संरक्षण

स्थानीय स्तर पर यह भी आरोप हैं कि संबंधित थाना क्षेत्रों की पुलिस इस पूरे खेल पर आंख मूंदे हुए हैं, बल्कि कुछ मामलों में संरक्षण देने की भी चर्चाएं हैं। खदानों में लोडिंग-अनलोडिंग करने वाले कारोबारी भी इस नेटवर्क का अहम हिस्सा बताए जा रहे हैं, जो इस अवैध धंधे को संगठित तरीके से संचालित कर रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि खदान क्षेत्रों में लगे सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज की जांच अब तक क्यों नहीं की गई। यदि निष्पक्ष जांच हो जाए, तो एक ही टीपी पर बार-बार परिवहन का पूरा खेल सामने आ सकता है। पहले यह अवैध बालू हाईवा वाहनों से कर्थुआ मार्ग के जरिए बहरी की ओर भेजा जाता था, जहां बाहरी क्षेत्र की पुलिस पर भी संरक्षण देने के आरोप लगते रहे हैं।

जनगणना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय दिवस आयोजित

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अप्रैल। जनगणना के अंतर्गत शासकीय बालक डिग्री कॉलेज सिंगरौली में आयोजित त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का द्वितीय दिवस आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में नवजीवन विहार जोन के प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा सहभागिता की गई।

प्रशिक्षण सत्र में डिजिटल जनगणना, रियल-टाइम ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि एवं संबंधित तकनीकी प्रक्रियाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रतिभागियों की समझ एवं दक्षता के मूल्यांकन के लिए ऑनलाइन परीक्षण आयोजित किया गया, जिसमें सभी 144 प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन जोनल चार्ज ऑफिसर ज्योति सिंह, एचएम श्रीवास्तव एवं विष्णु पाल सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अधिकारियों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए जनगणना कार्य के महत्व पर प्रकाश डाला गया तथा इसे राष्ट्र निर्माण की आधारभूत प्रक्रिया बताया गया।

मां भगवती की आराधना से जागा जनसमूह

नवभारत न्यूज

सरई 20 अप्रैल। तहसील सरई अंतर्गत ग्राम आरआर कॉलोनी खनुआ में भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा 5 घंटे का अखण्ड श्री दुर्गा चालीसा पाठ श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक वातावरण के बीच सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। यह आयोजन मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर पर आयोजित किया गया, जिसमें जिले के विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में मां भगवती के श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज को नशामुक्त, मांसाहार मुक्त, चरित्रवान एवं जागरूक बनाने का संदेश देना रहा।

चितरंगी क्षेत्र के चार पेट्रोल पंप ड्राई, मची हाय तौबा

डीजल संकट से जूझ रही जनता, कालाबाजारी की आशंका से बढ़ी परेशानी

नवभारत न्यूज

चितरंगी 20 अप्रैल। जिले के चितरंगी क्षेत्र में इन दिनों डीजल का गहरा संकट देखने को मिल रहा है। आज सोमवार को क्षेत्र के चार प्रमुख पेट्रोल पंपों पर डीजल पूरी तरह से खत्म होने की स्थिति सामने आई, जिससे आमजन के साथ-साथ वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

पेट्रोल तो उपलब्ध है, लेकिन डीजल नहीं होने की बात पेट्रोल पंप संचालकों द्वारा कही जा रही है। सुबह से ही डीजल भरवाने पहुंचे वाहन चालकों को निराश होकर लौटना पड़ा। गर्मी के इस मौसम में खेतों और परिवहन कार्यों के लिए डीजल की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में अचानक आई इस कमी ने लोगों की चिंता और बढ़ा दी है। वहीं सूत्रों की मानें तो स्थिति पूरी तरह से सप्लाई की कमी की नहीं, बल्कि कालाबाजारी से जुड़ी हो सकती है।

बताया जा रहा है कि पेट्रोल पंपों पर भले ही डीजल न होने का दावा किया जा रहा हो, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों के कुछ किराना दुकानों और निजी स्तर पर डीजल आसानी से उपलब्ध हो रहा है।

इससे यह संदेह गहराता जा रहा है कि कहीं पेट्रोल पंप संचालक ही डीजल की जमाखोरी कर उसे ऊंचे दामों पर बेचने में तो नहीं लगे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से इस मामले की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है।

ओव्हरलोड ऑटो पलटा, दो महिलाएं गंभीर घायल

बरगवां थाना क्षेत्र के राजासरई में अनियंत्रित हुआ ऑटो, लापरवाही पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अप्रैल। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत राजासरई में एक बड़ा सड़क हादसा सामने आया है, जहां ओवरलोड ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। इस दुर्घटना में ऑटो में सवार दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ऑटो में क्षमता से अधिक सवारियां बैठी थीं, जिससे वाहन का संतुलन बिगड़ गया और चालक नियंत्रण खो बैठा। देखते ही देखते ऑटो सड़क किनारे पलट गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू करते हुए घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लगातार ओवरलोडिंग की घटनाएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लगाई जा सके।

सरई में श्रीमद्भागवत कथा का विश्राम दिवस

सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष प्रसंग ने भक्तों को किया भावविभोर

नवभारत न्यूज

सरई 20 अप्रैल। जिले के नगर परिषद सरई अंतर्गत थाना रोड स्थित वार्ड क्रमांक 4 में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण सप्ताह ज्ञान यज्ञ का सातवां एवं विश्राम दिवस रविवार को अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कथा के अंतिम दिन सुदामा चरित्र, राजा परीक्षित मोक्ष तथा भावपूर्ण विदाई प्रसंग का ऐसा मार्मिक वर्णन किया गया कि पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निष्कलुष मित्रता का वर्णन करते हुए बताया कि सच्चे संबंधों में धन-दौलत का कोई स्थान नहीं होता। सुदामा की निर्धनता के बावजूद भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बालसखा का जिस प्रेम, विनम्रता और आत्मीयता से स्वागत किया, वह प्रसंग श्रद्धालुओं की आंखें नम कर गया। भगवान द्वारा सुदामा के चरण पखारने की कथा ने यह संदेश दिया कि प्रेम और भक्ति के समक्ष सांसारिक वैभव का कोई महत्व नहीं है। आयोजन की मुख्य संयोजक एडवोकेट गोमती जायसवाल एवं एडवोकेट जावित्री जायसवाल रहीं।

मौत का ढेर, गनियारी मुक्तिधाम मार्ग पर बिखरा मेडिकल वेस्ट, जिम्मेदार बेखबर

क्लीनिक और नर्सिंग होम पर गंभीर आरोप, बायोमेडिकल वेस्ट नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां, मवेशियों और इंसानों के लिए जानलेवा खतरा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 20 अप्रैल। जिला मुख्यालय बैढ़न के समीप गनियारी मुक्तिधाम मार्ग पर मेडिकल वेस्ट का भयावह नजारा सामने आया है, जहां खुलेआम भारी मात्रा में दवाइयां, इंजेक्शन, ब्लिस्टर पैक और अन्य बायोमेडिकल कचरा फेंका जा रहा है।

यह स्थिति न केवल पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि आम जनता और मवेशियों के जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस कचरे में कई निजी क्लीनिकों, कथित नर्सिंग होमों और यहां तक कि सरकारी अस्पतालों की एक्सपायरी दवाइयां भी शामिल हैं। यह सीधे तौर पर बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट नियमों का उल्लंघन है, जिनके तहत ऐसे कचरे का सुरक्षित निस्तारण अनिवार्य होता है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र से मेडिकल वेस्ट को सतना स्थित अधिकृत कंपनी के पास भेजने का प्रावधान है और इसके लिए नियमित परिवहन की व्यवस्था भी निर्धारित है। बावजूद इसके इस तरह खुले में कचरा फेंका जाना जिम्मेदारों की लापरवाही को उजागर करता है। गनियारी का यह मामला अब एक बड़े स्वास्थ्य संकट का संकेत बनता जा रहा है। यदि जल्द ही इस पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो आने वाले समय में यह समस्या और भयावह रूप ले सकती है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिम्मेदार विभाग कब जागेंगे और दोषियों के खिलाफ क्या कदम उठाए जाएंगे।

मेडिकल वेस्ट मवेशियों के लिए बना खतरा

खुले में पड़े इस मेडिकल वेस्ट से मवेशियों के लिए जान का खतरा बना हुआ है, वहीं आम नागरिक खासकर बच्चे संक्रमण के खतरे में हैं। संक्रमित सुई, दवाइयां और रासायनिक अवशेष गंभीर बीमारियों को जन्म दे सकते हैं। इस पूरे मामले में क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण अमले की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय उदासीन बने हुए हैं। यही नहीं यह भी चर्चाएं हैं कि एनओसी जारी करने के नाम पर भारी भरकम वसूली की जाती है और उसके बाद नियमों की अनदेखी कर दी जाती है। स्वास्थ्य विभाग की चुप्पी भी कम चिंताजनक नहीं है। इतनी गंभीर स्थिति के बावजूद विभाग की ओर से कोई सख्त कदम सामने नहीं आया है, जिससे प्रशासनिक लापरवाही साफ झलकती है। नगर निगम की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है। शहर के अंदर इस तरह मेडिकल वेस्ट फेंके जाने के बावजूद यदि कोई कार्रवाई नहीं हो रही, तो यह निगरानी व्यवस्था की विफलता को दर्शाता है।